आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :491 पृष्ठ -4 दिनांक 29 मई 2025 दिन गुरूवार

यूपी में 2 जून तक जारी रहेगा बारिश का सिलसिला, इन जिलों में आंधी-वज्रपात का अलर्ट

उत्तर प्रदेश के 28 जिलों में आज भी बारिश का अलर्ट जारी

उत्तर प्रदेश में इन दिनों गर्मी और बारिश दोनों तरह का मौसम देखने को मिल रहा है. प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों में जहां लोगों को उमस भरी गर्मी झेलनी पड़ रही है तो वहीं पूर्वी यूपी के कुछ जिलों में आज (28 मई) भी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा. जिसकी वजह से यहां पर मौसम सुहाना है और लोगों को गर्मी से राहत है. आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा. 29 जून से कई जगहों पर आंधी के साथ तेज बारिश का अलर्ट है. अगले 48 घंटों में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी, जबकि पश्चिमी यूपी में पारा कम होने का अनुमान जताया गया है. मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई हैं. बाकी हिस्सों में आज मौसम शुष्क ही रहेगा. पूर्वांचल में कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है. इस दौरान इन इलाकों में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी. 30 मई को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में

झमाझम बारिश हो सकती है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी. 2 जून तक प्रदेश में बरसात का सिलसिला जारी रहेगा. यूपी में आज सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, मऊ, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली, मीरजापुर और सोनभद्र में एक या दो जगहों पर बारिश हो सकती है. इसके साथ ही यहां तेज हवाएं और गरज चमक के साथ वज्रपात की भी चेतावनी दी गई हैं. हालांकि प्रदेश के बाकी हिस्से में आज मौसम शुष्क ही रहेगा.अगले 24 घंटे में 2-4 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान इस बार मई के मौसम में ही हो रही बारिश ने मौसम वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है. हालांकि बरसात की वजह से लोगों को झुलसती हुई गर्मियों से राहत मिली है. तापमान की बात करें तो अगले 24 घंटों में पश्चिमी यूपी में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है. इसके बाद इसी मात्रा में गिरावट भी आएगी. जबकि पश्चिमी यूपी में अगले पांच दिनो तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने का अनुमान नहीं है.

यूपी में डरा रहा कोरोना! गाजियाबाद और लखनऊ में दर्ज हुए नए मामले

लखनऊ में एक कोरोना का बुजुर्ग मरीज मिला है, करीब 10 दिन पहले धार्मिक यात्रा से लौटे बुजुर्ग की तबियत बिगड़ने पर उसके परिजनों ने पीजीआई लखनऊ में भर्ती कराया था. आज ॅळच्ळष् लखनऊ में मंगलवार को मरीज की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जबकि उत्तर प्रदेश में 24 घंटे में कोरोना के 10 नए मामले सामने आए हैं.वहीं यूपी के गाजियाबाद में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ी है, इस समय कोविड-19 से संक्रमित मरीजों की संख्या 14 पर पहुंच गई है. जिसमें से 13 मरीज होम आइसोलेशन में है, जबकि एक अस्पताल में भर्ती है. गाजियाबाद में 4 महीने का शिशु भी कोरोना पॉजिटिव निकला है.वहीं नोएडा में भी कोरोना के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है, इस समय नोएडा में कोरोना के 10 मामले एक्टिव हैं. नोएडा के बिसरख ब्लॉक की विभिन्न सोसायटियों में रहने वाले अधिकतर कोविड-19 से संक्रमित हैं. हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने साफ तौर पर कहा है कि इस बार के कोविड से ज्यादा खतरा लोगों को नहीं है. हालांकि शहर में बढ़ रहे कोरोना के मामलों पर स्वास्थ्य विभाग ने सभी से अपील की है कि वह सतर्कता बरतें.वहीं कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का बयान सामने आ गया है. आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने सोमवार को कहा कि भारत में कोविड-19 संक्रमण बढ़ रहा है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि ये गंभीर नहीं हैं. इसके साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार सक्रिय रूप से मामलों की निगरानी कर रही है. क्या हैं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़े इधर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से कोविड के नए आंकड़ों भी जारी कर दिए गए हैं. जिसके अनुसार भारत में कोविड के 1,009 मामले हैं, जिनमें केरल (430), महाराष्ट्र (209) और दिल्ली (104) में मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र (4), केरल (2) और कर्नाटक (1) में सात मौतें भी हुई हैं.

अखिलेश यादव पर ओपी राजभर का बड़ा हमला

यूपी की राजनीति में अपने तीखे बयानों के लिए चर्चित सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। आजमगढ़ में पार्टी की समीक्षा बैठक के दौरान राजभर ने कहा, ष्जो अपने बाप का नहीं हुआ, वो किसी और का क्या होगा।ष् उन्होंने सपा, कांग्रेस और बसपा पर मुस्लिम वोटों के लिए नफरत फैलाने का भी आरोप लगाया। इसके साथ ही ऐलान किया कि उनकी पार्टी आगामी पंचायत चुनाव अकेले लड़ेग. ी।हरिऔध कला भवन में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक में राजभर ने अखिलेश यादव और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा की राजनीति केवल बीजेपी को बदनाम करने तक सीमित है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के डीएनए पर सपा के हमलों का जवाब देते हुए राजभर ने कहा, ष्राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप चलते हैं, लेकिन इतनी गिरावट नहीं होनी चाहिए।ष् उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश सरकार में 86 में से 56 एसडीएम यादव बनाए गए थे, जो उनकी पक्षपातपूर्ण नीतियों को दर्शाता है।पंचायत चुनाव में अकेले उतरेगी सुभासपाराजभर ने ऐलान किया कि सुभासपा आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में एनडीए के साथ गठबंधन नहीं करेगी और अपने दम पर लड़ेगी। उन्होंने कहा, ष्गठबंधन में पर्याप्त सीटें नहीं मिलतीं, इसलिए हम अकेले लड़ेंगे ताकि हमारे कार्यकर्ताओं को पूरा मौका मिले।ष् हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि 2027 विधानसभा और लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी एनडीए के साथ रहेगी।ऑपरेशन सिंदूर और विपक्ष की आलोचनाहालिया ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए राजभर ने कहा कि इस ऑपरेशन ने भारतीय सेना की ताकत दिखाई और हमें गर्व का मौका दिया। उन्होंने कहा, ष्हमारी सेना ने पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया, जिसका सबूत पाकिस्तान खुद दे रहा है।ष् राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह भारत का राशन खाते हैं और विदेश में जाकर देश की आलोचना करते हैं।मुस्लिमों को गुमराह करने का आरोपराजभर ने सपा, बसपा और कांग्रेस पर ब।। और छत्ब् जैसे मुद्दों पर मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शाहीन बाग आंदोलन के बावजूद दो साल में किसी की नागरिकता नहीं छीनी गई। वक्फ संशोधन बिल को मुस्लिम समुदाय के हित में बताते हुए उन्होंने कहा कि यह बिल गरीब मुस्लिमों को फायदा पहुंचाएगा, जबकि वक्फ बोर्ड की संपत्ति बेचने वाले अमीर लोग अब परेशान हैं।

27 करोड़ में खरीदे गए ऋषभ पंत... 13 पारियों में बनाए सिर्फ 269 रन, जानें कप्तान को लेकर क्या बोले मेंटोर जहीर खान

लखनऊ। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपये की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए। उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''उन्हा. ेंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था।'' भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, ''हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं।'' लखनऊ के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, ''जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सक. ारात्मक पहलू रहा।''

पीएम मोदी के कानपुर दौरे से पहले स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, मंच पर जाने वालों की होगी कोविड जांच

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई को उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर दौरे पर आ रहे हैं. इस दौरान वो यहां एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगे. प्रशासन की ओर से पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं. इस बीच कानपुर स्वास्थ्य विभाग की ओर से बड़ी खबर सामने आई हैं. सूत्रों की मानें तो च्ड मोदी की रैली को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है. इस दौरान मंच पर मौजूद रहने वाले लोगों की कोरोना जांच कराई जाएगी. देश में पिछले कुछ समय में कोरोना को मामलों में तेजी आई हैं. जिसे लेकर प्रशासन पहले से सतर्क हो गया है. सूत्रों के मुताबिक कानपुर में पीएम मोदी की रैली के दौरान मंच और उनके आसपास (क घेरा) रहने वाले लोगों की आज से कोरोना जांच कराई जाएगी. ताकि कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए पूरी सावधानी बरती जा सके. स्वास्थ्य विभाग उन सभी लोगों की कोरोना जांच कराएगा. सीएम योगी ने लिया तैयारियों का जायजा दूसरी तरफ पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन के द्वारा बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं. सीएम योगी आदित्यनाथ खुद रैली की तैयारियों का जायजा लेने के लिए कानपुर पहुंचे और रैली स्थल का दौरा किया. सीएम योगी यहां अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे, जिसके बाद वो दोपहर एक बजे लखनऊ लौट जाएंगे. इससे पहले 26 मई सोमवार को यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार भी सभा स्थल पर पहुंचे थे और सुरक्षा को लेकर तमाम दिशा निर्देश जारी किए.पीएम मोदी गुरुवार (30 मई) को कानपुर दौरे पर रहेंगे. उनके इस दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को भी पूरी तरह चाक चौबंद किया गया है. पीएम मोदी कानपुर के लिए 21 हजार करोड़ रुपये की सौगात लेकर आ रहे हैं. जहां वो मेट्रो के दूसरे चरण का उद्घाटन करेंगे. इसके अलावा चुन्नीगंज में बने कन्. वेंशन सेंटर और घाटमपुर व पनकी के पावर प्लांट का भी उद्घाटन करेंगे.

यूपी को मिलेगा दलित डीजीपी या महिला के हाथों में होगी पुलिस की कमान? इन दो नामों की चर्चा तेज

उत्तर प्रदेश पुलिस का नया मुखिया कौन होगा, इस बात को लेकर कयासों और अटकलों का दौर जारी है. इस बीच दो ऐसे नामों की चर्चा हो रही है जिनको डीजीपी बनाया जा सकता है. ये दो नाम हैं- आईपीएस मनमोहन कुमार बशाल और आईपीएस तिलोत्तमा वर्मा.अगर बशाल डीजीपी बनाए जाते हैं तो लंबे अंतराल के बाद ऐसा होगा कि कोई दलित अफसर, राज्य की पुलिस का मुखिया होगा. वहीं तिलोत्तमा को जिम्मेदारी सौंपी जाती है तो वह पहली महिला अफसर होंगी जो देश के सबसे बड़े राज्य की पुलिस की कमान संभालेंगी.सबसे पहले बात करते हैं एमके बशाल की. साल 1990 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बशाल, दिल्ली के रहने वाले हैं. वर्ष 1966 में जन्में बशाल ने बीटेक की डिग्री ली है. सेवा में आने के बाद वर्ष 1992 में उनको कंफर्मेशन मिला और वह फिलहाल डीजी रैंक पर सेवारत हैं.प्ै बशाल डीआईजी रैंक पर वर्ष 2005, वर्ष 2010 में आईजी रैंक पर प्रमोट किए गए. फिर वर्ष 2014 में वह एडीजी पद के लिए प्रमोट किए गए. फिर लंबे अंतरात के बाद वर्ष 2023 में बशाल को डीजी पद पर प्रोन्नति मिली. बशाल फिलहाल विद्युत निगम में बतौर महानिदेशक अपनी सेवाएं दे रहे हैं. बात करें तिलोत्तमा वर्मा की तो वह भी वर्ष 1990 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं. वर्ष 1965 में जन्मीं वर्मा मूलतः हिमाचल प्रदेश स्थित शिमला की निवासी हैं. अंग्रेजी साहित्य में बीए ऑनर्स और एलएलबी तक की पढ़ाई कर चुकीं वर्मा को वर्ष 1993 में कंफर्मेशन मिला था और वह अभी बतौर डीजी, यूपी कैडर में सेवाएं दे रहीं हैं. वर्मा, वर्ष 2005 में डीआईजी, वर्ष 2010 में आईजी, वर्ष 20145 में एडीजी और वर्ष 2024 में डीजी पद पर प्रमोट हुईं. वर्मा फिलहाल शिक्षण मुख्यालय में महा. निदेशक पद पर सेवा दे रहीं हैं.

यूपी के सभी 75 जिलों में ई रिक्शा, ओला-उबर चलाने वालों के लिए नए नियम! करने होंगे 2 जरूरी काम

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में अब ऑटो, ई-रिक्शा, टैक्सी और ओला-उबर जैसी कैब सेवाओं पर ड्राइवर का नाम और मोबाइल नंबर साफ-साफ लिखा होगा. इस संबंध में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह को पत्र लिखकर यह व्यवस्था सख्ती से लागू करने की मांग की है. आयोग का कहना है कि यह कदम महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद जरूरी है.राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने पत्र में कहा है कि कई बार महिलाओं के साथ छेड़छाड़ या असुरक्षा की घटनाएं सामने आती हैं, खासकर तब जब वे अकेले यात्रा कर रही होती हैं. ऐसे मामलों में वाहन और ड्राइवर की पहचान कर पाना मुश्किल हो जाता है. यदि हर ऑटो, ई-रिक्शा, टैक्सी, टेम्पो और निजी कैब (जैसे ओला, उबर और रै. पिडो) पर ड्राइवर का नाम और मोबाइल नंबर साफ तौर पर लिखा हो, तो शिकायत दर्ज कराना आसान हो जाएगा और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जा सकेगी.आयोग ने आग्रह किया है कि परिवहन विभाग सभी जिलों में निर्देश जारी करे कि यह जानकारी वाहन के पीछे और अंदर दोनों जगहों पर बड़े अक्षरों में चिपक. ाई जाए, ताकि यात्री आसानी से देख सकें. बता दें कि महिला सुरक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पहले से ही कई योजनाएं चला रही है. 'मिशन शक्ति', '1090 महिला हेल्पलाइन' और 'पिंक बूथ' जैसे प्रयासों के जरिए महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमि. कता दी जा रही है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं महिला सुरक्षा के प्रति गंभीर रुख अपनाते आए हैं.महिला आयोग की यह सिफारिश ऐसे वक्त में आई है जब देशभर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं. विशेषकर सार्वजनिक परिवहन में कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं जिनमें महिलाओं के साथ गलत व्यवहार, पीछा करने या डराने की शिकायतें होती हैं. ऐसे में ड्राइवर की पहचान सामने रहना न सिर्फ महिलाओं के लिए सुरक्षा की गारंटी बनेगा बल्कि गलत करने वालों के मन में डर भी पैदा करेगा.परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस सुझाव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है और जल्द ही इसे लागू करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं.महिला आयोग का मानना है कि लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में यह व्यवस्था लागू होने पर महिलाओं को यात्रा करते वक्त अतिरिक्त सुरक्षा और आत्मविश्वास मिलेगा.

हाथरस पुलिस को ई–ऑफिस में मिली 9वीं रैंक अधिकारियों को डिजिटल कार्यप्रणाली के निर्देश

हाथरस पुलिस ने ई–ऑफिस प्रणाली में 9वीं रैंक हासिल की है। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने इस उपलब्धि पर संबंधित पुलिसकर्मियों को बधाई दी। पुलिस कार्यालय में आयोजित गोष्ठी में एसपी ने सभी क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों से ऑनलाइन संवाद किया।उन्होंने बताया कि 23 जनवरी से हाथरस में ई–ऑफिस प्रणाली शुरू की गई थी। इस प्रणाली का उद्देश्य कार्यालयों में कागज रहित और तेज कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना है। एसपी ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि वे रोज अपनी ई–ऑफिस आईडी से लॉगिन करें। उन्हें डाक, फाइलों का निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई ई–ऑफिस के माध्यम से करनी है।उच्चाधिकारियों को भेजी जाने वाली रिपोर्ट, मांग पत्र और जांच रिपोर्ट डिजिटल हस्ताक्षर के साथ भेजनी होगी। क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि

वे थानों से आने वाली रिपोर्ट और पत्र केवल ई–ऑफिस पर स्वीकार करें। साथ ही, अपने कार्यालय से जारी होने वाले सभी दिशा–निर्देश डिजिटल हस्ताक्षर के साथ ई–ऑफिस से जारी करें।एसपी ने बताया कि ई–ऑफिस एक डिजिटल वर्कप्लेस समाधान है। यह सरकारी कार्यालयों में काम को पेपरलेस और अधिक कुशल बनाने के लिए विकसित किया गया है। इसका लक्ष्य कार्यालयों को सरल, प्रभावी और पारदर्शी बनाना है।सीसीटीएनएस प्रणाली के तहत कार्यों की समीक्षा की इसके अलावा, एसपी ने सीसीटीएनएस प्रणाली के तहत होने वाले कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी आईआईएफ फॉर्म और केस डायरी सीसीटीएनएस के माध्यम से भरने के निर्देश दिए।

हाथरस में नेहरू पार्क की स्थिति खराबरूप्रतिमा का स्तंभ जर्जर, माल्यार्पण की व्यवस्था नहींय कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

हाथरस के हसायन कोतवाली क्षेत्र में जलेसर रोड पर एक सड़क हादसा हुआ। इसमें एक ग्रामीण की मौत हो गई। हसायन कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला मान्धाती के किसान नेपाल सिंह (48) पुत्र मक्खन सिंह की कैंटर की चपेट में आने से मौत हो गई। नेपाल सिंह खेती–बाड़ी कर अपना और अपने परिवार का जीवन यापन करते थे। वह खुरपी की मरम्मत के लिए अपने गांव के पास साइकिल से बाजार गए थे। इसके बाद जब वह वापस घर लौट रहे थे तो जलेसर रोड पर गांव असोई के पास कैंटर ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। गंभीर हालत में घायल नेपाल सिंह को परिजन आगरा लेकर गए। वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। उन्होंने अपने पीछे अन्य परिजनों के अलावा चार संतानों को बिलखते छोड़ा है। उनकी मौत से गांव में शोक की लहर है।

सासनी में आगरा–अलीगढ़ हाईवे पर स्थित सब्जी मंडी के निकट गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई

सासनी में आगरा–अलीगढ़ हाईवे पर स्थित सब्जी मंडी के निकट गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। नाला चौक होने के कारण हाईवे पर जल भराव हो रहा है। इस समस्या से पैदल चलने वालों का रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है।स्थानीय लोगों ने बताया कि मडराक के निकट टोल टैक्स तो वसूला जा रहा है। लेकिन हाईवे पर फैली गंदगी और जल भराव की समस्या का समाधान करने को कोई तैयार नहीं है। लोगों ने इस समस्या से राहत पाने के लिए पानी में टूटी हुई ईंटें डाल दी हैं।स्थानीय निवासियों ने कई बार तहसील प्रशासन से इस समस्या की शिकायत की है। लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। प्रशासनिक अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर कोई दुर्घटना होती है तो इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा।

शिक्षक रणजीत सिंह को मिला सम्मान हाथरस के सासनी ब्लॉक में आईसीटी के बेहतर प्रयोग के लिए जिला स्तरीय पुरस्कार

हाथरस के सासनी ब्लॉक के शिक्षक इंजीनियर रणजीत सिंह को आईसीटी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला स्तर पर सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान विद्यालय में आईसीटी के निरंतर प्रयोग के लिए दिया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से बेसिक शिक्षा कार्यक्रमों का डिजिटल लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में दिखाया गया। कार्यक्रम में निपुण घोषित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और टैबलेट वितरित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक शामिल हुए।रणजीत सिंह ने कोरोना काल में जनपद के विभिन्न शिक्षकों को आईसीटी टूल्स का प्रशिक्षण भी दिया था। वे पहले भी जिला और राज्य स्तर पर सम्मानित हो चुके हैं। सत्र 2025–26 में भी उन्हें जिला स्तर पर सम्मानित किया गया।समारोह में हाथरस सदर विधायक अंजुला माहौर, मुख्य विकास अधिकारी सुरेश केसरवानी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वाती भारती, अपर जिला अधिकारी बसंतलाल अग्रवाल और राष्ट्रीय

लोक दल के जिला अध्यक्ष श्याम सिंह ने प्रमाण पत्र देकर शिक्षक को सम्मानित किया। खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह और प्रधान अध्यापक राज. कुमारी उपाध्याय सहित सभी शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी।

सासनी में आगरा–अलीगढ़ हाईवे पर जलभराव सब्जी मंडी के पास नाला चौक, पैदल चलना मुश्किलय प्रशासन बेपरवाह

सासनी में आगरा–अलीगढ़ हाईवे पर स्थित सब्जी मंडी के निकट गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। नाला चौक होने के कारण हाईवे पर जल भराव हो रहा है। इस समस्या से पैदल चलने वालों का रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है।स्थानीय लोगों ने बताया कि मडराक के निकट टोल टैक्स तो वसूला जा रहा है। लेकिन हाईवे पर फैली गंदगी और जल भराव की समस्या का समाधान करने को कोई तैयार नहीं है। लोगों ने इस समस्या से राहत पाने के लिए पानी में टूटी हुई ईंटें डाल दी हैं।स्थानीय निवासियों ने कई बार तहसील प्रशासन से इस समस्या की शिकायत की है। लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। प्रशासनिक अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर कोई दुर्घटना होती है तो इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा।

बच्चियों की हत्या के दो दोषियों को फांसी

हाथरस कोर्ट ने 2 बच्चियों की हत्या के 2 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश (एससी एसटी एक्ट) रामप्रताप सिंह ने सुनाया। दोनों दोषी विकास और लालू पाल ने न सिर्फ 7 साल की विधि और 13 साल की सृष्टि की हत्या की, बल्कि एक टीचर और उनकी पत्नी पर भी हमला किया था। कोर्ट ने सिर्फ 4 महीने 6 दिन बाद अपना फैसला सुनाया।मृत बच्चियों सृष्टि और विधि की मां वीरांगना सिंह ने कहा कि आज कोर्ट ने मेरी दोनों बेटियों के हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई है। मैं कोर्ट के इस फैसले का सम्मान करती हूं। इस पूरे हत्याकांड की साजिश मेरे पति के भतीजे सोनेलाल ने दुबई में बैठकर रची थी। वह अभी भी दुबई में है। पुलिस अब तक उसे भारत नहीं ला पाई है। मैं मांग करती हूं कि उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार कर भारत लाया जाए।वीरांगना सिंह ने यह भी कहा कि अभी भी मुझे और मेरे परिवार को जान का खतरा है। मेरी और मेरे परिवार को सुरक्षा दी जाए। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि बच्चियों का दर्द मैं ताउम्र नहीं भूल सकती। मेरे पति बीमार हैं और बिस्तर पर हैं।सोते वक्त बच्चियों को रेता था गला 22 जनवरी की रात 9 बजे टीचर छोटेलाल का चचेरा भतीजा विकास अपने साथी लालू पाल के साथ आशीर्वाद धाम कॉलोनी स्थित टीचर के घर पहुंचा। खाना खाने के बाद सब सो गए। रात डेढ़ बजे विकास और लालू पाल ने चाकू से दोनों बेटियों– सृष्टि) और विधि की हत्या कर दी। इसके बाद दोनों टीचर के रूम में पहुंचे।टीचर और उनकी पत्नी पर भी हमला कर दिया। इसमें पति–पत्नी घायल हो गए। लेकिन टीचर की पत्नी डरी नहीं। वह दोनों से से भिड़ गईं और शोर मचा दिया। आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। यह देखकर विकास और लालू पाल मौके से भाग गए थे। टीचर पति–पत्नी को अलीगढ़ जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था।आरोपियों की तलाश में 3 टीमें लगाई थीं डबल मर्डर के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों ने परिजनों और आस–पड़ोस में रहने वाले लोगों पूछताछ की थी। डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए थे। क्प्ळ ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए लिए 3 टीमें लगाई थीं।30 घंटे के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था इसके बाद पुलिस ने विकास और लालू पाल की लो. केशन ट्रेस करने लगी थी। पापरी रोड पर पुलिस ने घेराबंदी कर वारदात के 30 घंटे के अंदर दोनों को गिरफ्तार लिया था। पुलिस ने उनके पास से हत्याकांड में इस्तेमाल चाकू के अलावा दो तमंचे, कारतूस और खून से सने कपड़े भी बरामद किए थे।टीचर के सगे भतीजे ने दी थी सुपारी चचेरे भतीजे विकास ने पुलिस को बताया था कि इस घटना का मास्टरमाइंड फतेहपुर में रहने वाला सोनेलाल है। वह टीचर छोटेलाल गौतम के सगे भाई बा. बूलाल का बेटा है। छोटेलाल गौतम को कोई बेटा नहीं था। वह सोनेलाल की पैतृक जमीन हड़पना चाहता था। इसलिए पूरे परिवार को मारने की सुपारी दी थी।

सहपऊ कस्बा के मोहल्ला होली गेट में 27 मई की दोपहर को 35 वर्षीय राहुल वाल्मीकि पुत्र पप्पू वाल्मीकि की संदिग्ध हालात में मौत

सहपऊ कस्बा के मोहल्ला होली गेट में 27 मई की दोपहर को 35 वर्षीय राहुल वाल्मीकि पुत्र पप्पू वाल्मीकि की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। युवक नगर पंचायत में आउटसोर्सिंग कर्मचारी था। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शव को पा. स्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।उल्लेखनीय है कि मृतक की पत्नी नेहा की भी पांच मई को संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। उनका शव भी उसी कमरे में फंदे पर लटका मिला था, जिस कमरे में उनके पति का शव मिला है। दोनों ने पहले प्रेम विवाह किया था और बाद में परिजनों की सहमति पर शादी की थी। परिजनों का कहना है कि पत्नी की मौत के बाद राहुल काफी अवसाद में थे। उन्होंने अपने पीछे दो मासूम पुत्र और एक पुत्री को बिलखते हुए छोड़ा है। उनके पिता की काफी समय पहले मौत हो चुकी है। अब उनके बच्चों के लालन–पालन की जिम्मेदारी उनकी विधवा मां के कंधों पर आ गई है। सीओ हिमांशु माथुर ने बताया कि कोतवाली में किसी ने कोई तहरीर नहीं दी है। यदि कोई तहरीर देता है तो मामले की जांच की जाएगी।

नर्सिंग ऑफिसर यूनियन ने किया शांतिपूर्ण मार्च, वर्षों से लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अलीगढ़ (जेएनएमसीएच) आज 28 मई 2025 को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (श्रछडब्) के नर्सिंग ऑफिसर यूनियन द्वारा वर्षों से लंबित मांगों को लेकर एक शांतिपूर्ण मार्च निकाला गया।जिसमे नर्सिंग ऑफिसर, इंचार्ज और अन्य स्टाफ ने यह मार्च ट्रॉमा सेंटर से शुरू होकर पुराने ओपीडी ब्लॉक होते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (ब्डै) कार्यालय तक गया।इस दौरान यूनियन की ओर से सीएमएस डॉ. हबीब रजा को एक आधिकारिक ज्ञापन सौंपा गया। यूनियन के अध्यक्ष सिजाउद्दीन अंसारी, सेक्रेटरी जनरल रिंकू चौधरी, उपाध्यक्ष निसार जहान और शाकिर , ज्वाइंट सेक्रेटरी कामिल,सम्पत,शाजिद, अजबर, अकबर तौशिफ, सादिक, स्ट्रेला भारद्वावाज, सा. हिबा, इंदु,इस मार्च में प्रमुख रूप से शामिल रहे।यूनियन का कहना है कि वर्ष 2016 से अब तक नर्सिंग स्टाफ की नई भर्तियों का कोई विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। साथ ही, डीपीसी (DPC) और एमएसीपी (MACP) जैसी सुविधाएं भी लंबे समय से नहीं दी गई हैं। ज्ञापन में श्समान कार्य के लिए समान वेतनश की भी मांग की गई है, क्योंकि अनुबंध पर कार्यरत नर्सिंग स्टाफ को नियमित कर्मचारियों की तुलना में कम वेतन मिलता है।यूनियन ने यह भी मांग की है कि विश्वविद्यालय के सभी कर्मच. ारियों को सीजीएचएस (ब्ळै) की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उपाध्यक्ष निसार ओर ऑल इंडिया गवर्नमेंट नर्सेस फेडरेशन उपाध्यक्ष आ. शिक अली ने कहा कि कार्य के दौरान नर्सिंग स्टाफ पर अत्यधिक मानसिक दबाव होता है। ष्एक नर्स को 60 मरीजों की देखभाल करनी पड़ती है, जो कि सरकार के नियमों के अनुरूप नहीं है,ष उन्होंने कहा।रिंकू चौधरी यूनियन महामंत्री ने लंबित मांगों रिक्रूटमेंट, डीपीसी, फिक्स्ड स्टाफ की सैलरी के बारे में मीडिया हाउसेज को जानकारी दिया यूनियन अध्यक्ष सिज. जाउद्दीन अंसारी ने भी रिक्रूटमेंट, डीपीसी के बारे में बताया मुख्य चि. कत्सा अधीक्षक ने ज्ञापन को विश्वविद्यालय के कुलपति को अग्रेषित कर दिया है। यूनियन ने स्पष्ट किया है कि वह इन मुद्दों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और जब तक समाधान नहीं होता, संघर्ष जारी रहेगा।

वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ओटीडी सेल का हुआ गठन

अलीगढ़ (भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2027 तक वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के संकल्प की पूर्ति के लिए जिला स्तर पर विभिन्न विकासात्मक संकेतकों की नियमित समीक्षा और आंकड़ों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ओटीडी सेल का गठन किया गया हैडीएम संजीव रंजन ने बताया कि गठित सेल जिले के आर्थिक एवं सामाजिक विकास से संबंधित समस्त प्रमुख क्षेत्रों कृषि फसलों एवं औद्यानिक फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता, दुग्ध उत्पादन एवं उत्पादकता और दुग्ध प्रोसेसिंग, उद्योगों के लिए भूमि आवंटन एवं स्वीकृति की स्थिति, औद्योगिक इकाईयों की स्थापना एवं उनके क्रियाशील होने और सम्बन्धित इकाईयों का सुसंगत अधिनियमों में पंजीकरण, राज्य मार्गों, विद्युत ग्रिड, लॉजिस्टक्स हब विशेष निवेश जोन, टा. उनशिप, औद्योगिक क्षेत्र, प्लेज पार्क में अवस्थापना सुविधाओं के निर्माण और उनके निर्माण को समयबद्ध तरीके से पूर्ण

कराने, औद्योगिक विद्युत उपभोग, सौर ऊर्जा की प्रगति, जिले से सॉफ्टवेयर निर्यात विशेषकर एसटीपीआई से निर्यात, आई०टी० यूनिट्स की एसटीपीआई में पंजीकरण, नये स्थापित होटल एवं रेस्टा. रेन्ट एवं बेड की उपलब्धता, वाणिज्यक वाहनों का पंजीकरण, पीपीपी मोड पर निर्माणाधीन बस स्टेशन का निर्माण, कौशल विकास एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए उद्योगों से समन्वय कर उनकी आवश्यकता के अनुरूप कौशल को चिन्हित करते हुए तदानुसार कौशल प्रदान किये जाने, जिले में आये घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या एवं पर्यटक स्थल पर विकसित किये जा रहे साइट एमेनिटीज की प्रगति, जिले के पेट्रोल, डीजल, सीएनजी की बिक्री, जिला घरेलू उत्पाद अनुमान किये जाने में उपयोग में लाये गये संकेतांकों की प्रगति, जिला अर्थव्यवस्था रिपोर्ट तैयार किये जाने, नियोजन विभाग द्वारा समयसमय पर वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित सौंपे गये अन्य समस्त कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की जाएगी।

महेश नवमी पर्व पर बड़े धूमधाम से निकलेगी भोलेनाथ की शोभायात्रा

माहेश्वरी समाज सहयोग समिति द्वारा अलीगढ़ में 4 जून 2025 दिन बुधवार को बाबा भोलेनाथ की शोभायात्रा निकाली जाएगी इस संबंध में आज एक प्रेस वार्ता का आयोजन रामघाट रोड स्थित निजी होटल में किया गया जहां माहेश्वरी समाज सहयोग समिति के पदाधिकारीयों ने कार्यक्रम संबंधी जानकारी दी. माहेश्वरी समाज हर वर्ष अपना वंश उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के रूप में मनाता आ रहा है जो की ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाया जाता है. जों इस वर्ष 4 जून 2025 को है माहेश्वरी समाज सहयोग समिति ने 4 जून 2025 को एक प्रभात फेरी(शोभा यात्रा) का आयोजन वंश उत्पत्ति दिवस के उपलक्ष में रखा है यह प्रभात फेरी(शोभा यात्रा) माहेश्वरी पंचायती मंदिर सराय मानसिंह से जयगंज होते हुए माहेश्वरी इंटर कॉलेज मथुरा रोड पर पहुंच. `गी जहां यात्रा का समापन होगा और भोले बाबा की आरती के पश्चात भोजन प्रसादी की व्यवस्था रखी गई है. रास्ते में कई जगह समाज के बंधुओ द्वारा जलपानध्स्वागत किया जाएगा इस प्रभात फेरी में मुख्य अतिथि अलीगढ़ मेयर प्रशांत सिंहल व कासगंज से अध्यक्ष मीना महेश्वरी उपस्थित रहेंगी. साथ ही शोभा यात्रा का शुभारंभ विनोद भंसाली व विनय महेश्वरी दीप प्रज्ज्वलन कर करेंगे साथ ही विशिष्ट अतिथि गौरव गोदानी व विजय भट्टर भोले बाबा को माल्यार्पण करेंगे. कार्यक्रम के मुख्य संयोजक मयंक राठी (जरारा वाले) होंगे. कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज सहयोग समिति के सहयोगी संस्थाएं माहेश्वरी कपल क्लब, महेश्वरी पंचायत मंदिर समिति, माहेश्वरी महिला समिति, प्रबंध समिति(माहेश्वरी इंटर कॉलेज मथुरा रोड),माहेश्वरी क्रिएटिव क्लब व समस्त माहेश्वरी समाज बढ़ चढ़कर भाग लेंगे. माहेश्वरी समाज सहयोग समिति के पदाधिकारी ने यह भी बताया है कि उनका उद्देश्य समाज के सभी संगठनों को एक साथ लेकर चलने का है जिससे भविष्य मे समाज के हित के लिए लाभकारी योजनाएं बनाई जा सके. इस मौके पर समिति के पदाधिकारी सोनू राठी, दीपक भट्टर,डॉ गो. विंद महेश्वरी, मेहुल महेश्वरी, ध्रुव महेश्वरी, नितिन राठी आदि लोग मौजूद रहे.

नगर निगम का मूल बजट वित्तीय वर्ष 2025–26 की बोर्ड बैठक अपडेट

बुधवार को नगर निगम मूल बजट (वित्तीय वर्ष–2025–26) बोर्ड बैठक महापौर प्रशांत सिंघल की अध्यक्षता में कल्याण सिंह है. बिटेट सेंटर में आयोजित की गई। बोर्ड बैठक में सभी पार्षदों ने नए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की पहली बोर्ड बैठक में स्वागत किया। बोर्ड बैठक में सभी पार्षदों ने गहन मंथन और विस्तार से चर्चा करने के उपरांत सर्वसम्मति से अलीगढ़ नगरीय विकास का मूल बजट 145016.33 लाख की आय के सापेक्ष 128461.43 लाख के व्यय का सर्वसम्मति से पारित कर अपनी सहमति की मोहर लगायी।बोर्ड बैठक में प्रभारी लेखाधिकारी भरत कुमार दुबे ने नगर निगम के 2025–26 के मूल बजट पर विस्तार से प्रस्तुत किया। लेखा अधिकारी ने पास हुए मूल बजट के संबंध में बताया कि 01 अप्रैल 2025 को प्रारंभिक अवशेष 41597.74 लाख का बजट 2025–26 की अनुमानित प्रस्तावित आय 03418.59 लाख कुल योग 145016.33 लाख पास हुआ है उन्होंने यह भी बताया कि बजट 2025–26 का अनुमानित प्रस्ता. वित व्यय 128461.43 लाख सहित दिनांक 31 मार्च 2026 को अनुमानित अंतिम अवशेष 16554.90 लाख को सर्वसम्मति से सौहार्दपूर्ण माहौल में पास किया गया है।बोर्ड बैठक में पार्षदों के सवालों के जवाब देते हुए कहा मुझे आये 3 सप्ताह हुए है माननीय पार्षदों को आश्वस्त किया अगले 1 माह में विकास कार्यों के लिए सभी निर्माण कार्यो के लिए टेंडर आदि की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा। जलकल विभाग की कार्यशैली को प्रभावी बनाने के लिए जल्द महाप्रबंधक जल की तैनाती के लिए प्रमुख सचिव महोदय से अनुरोध किया जाएगा, जन्म मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था को माननीय पार्षदों की आकांक्षाओ के अनुरूप सुधार किया गया है पार्षदों के लिए पृथक से बैठने के कमरे में एसी लगवा दिया साथ ही पार्षदों के जन्म मृत्यु प्रमाण आवेदन को अलग से रहने के लिए एक पृथक से ऑपरेटर की व्यवस्था भी कर दी है पार्षदों को अब जन्म मृत्यु आवेदन के लिए इधर उधर परेशान होने की जरूरत नही पड़ेगी। नगर आयुक्त ने पार्षदों को बताया सीएलसी को टर्मिनेट किया जा रहा है साथ नगर जन्म मृत्यु विंडो के आस पास लोकवाणी केंद्रों के बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नगर आयुक्त ने पार्षदों की मांग पर अर्बन व सुकमा कंपनी के एग्रीमेंट की हार्ड व सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध करायी जाएगीकार्यकारणी बैठक मे पार्षदों ने जिन जलमूल्य मद में कम वसूली होने, विभिन्न मदो में कम वसूली होने, सीएम ग्रिड प्रोजेक्ट की विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने, सुकमा कंपनी के कर्मचारियों के वार्ड में न आने, सुकमा कंपनी का एग्रीमेंट उपबल्ध कराने, क्लोरीन का विवरण उपलब्ध कराने, क्लोरीन का दुरुपयोग होने, जन्म मृत्यु व्यवस्था को सुगम बनाने व पार्षदों के लिए आवेदन जमा करने के लिए पृथक व्यवस्था करने, वार्ड 60 में जलभराव होने, गाटा संख्या 169, 315, 318, 322 व 317 पर अवैध निर्माण हटाने, वार्ड 86 में पेयजलाप. र्ति ठीक नही होने, गांधी आई हॉस्पिटल से हाउस टैक्स की वसूली क्यों नही हो रही, पथ प्रकाश विभाग में हेलोनिक्स द्वारा लगायी गयी 9000 लाइट क्रय करने में वित्तीय अनियमितता बरतने, ख्वाजा चौक में कचरा पॉइंट को विलोपित करना जैसे बिन्दुओ को पार्षदों ने सदन के समक्ष रखा।बैठक में मंचासीन महापौर प्रशांत सिंघल नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव सचिव सचिवालय वीर सिंह प्रभारी लेखाधिकारी भारत कुमार दुबे एवं उपसभापति दिनेश जादौन, पार्षदगण कुलदीप पाण्डेय पुष्पेंद्र कुमार जादौन अनिल कुमार सेंगर संजय पंडित शेरसिंह सैनी योगेश सिंघल स्नेह सिंह बघेल राकेश ठाकुर दिनेश भारद्वाज मोहम्मद हाफिज नूर अब्बासी मुशरर्फ हुसैन मोहम्मद असलम शबाना असलम नूर अंशु अग्रवाल सुभाष चंद्र शर्मा महावीर सिंह नसी अहमद आजाद सिंह अगन लाल बॉबी कुमार सुनील कुमार पवन कुमार नरेंद्र कुमार सैनी रेनू सैनी पुष्पा देवी हरिशंकर सुरेंद्र प्रताप सिंह निरंजन सिंह मनोज कुमार योगेंद्र पाल सिंह शाहीन राजबहादुर मुनमुन खां मोहम्मद आदील रिहाना नीलाफेर सबा खां अमरीन निशा उस्मान खालिदा तबस्सुम हारून अब्दुल मुत्तलिब ओमवती सुमन देवी विमलेश सिंह पूनम रीनू सैनी रश्मि माहौर लाल सिंह पार्वती देवी वीनेश देवी राजकुमार दिनेश कुमार केला देवी विनोद कुमार करन कुमार सूरज माहौर हरिओम कुमार नीलम स्वर्ण लता हितेश कुमारी हिना सैफी आसिफ भूपेंद्र सिंह संजीव कुमार आमना बेगम छोटेलाल शर्मा आराधना मित्तल अफसाना दीपू शर्मा गंगा जोशी मोहम्मद जीनस नदीम हरीश कुमार नसरीन आशीया मोहम्मद शाकिर नईम अहमद अब्दुल मुतलिब मौजूद थे।नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश कुमार, उप नगर आयुक्त अमित कुमार, मुख्य अभियंता सुरेश चंद मुख्य नगर लेखा परीक्षक जंग बहादुर सिंह अधिशासी अभियंता बिजेन्द्र पाल सहायक अभियंता पुष्पेंद्र सिंह कर निर्धारण अधिकारी आरपी सिंह वैटनरी चिकित्सक डॉ राजेश वर्मा नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय सक्सेना महामंत्री मानवेंद्र सिंह बघेल कर अधीक्षक बेचेन सिंह स्टेनो देशदीपक सतीश शर्मा मीडिया सहायक एहसान रब तरुण मोहन पाठक राजीव कुमार डॉ तरुण शर्मा आदि मौजूद थे।महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा अलीगढ़ के इतिहास में इस बोर्ड का कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा और इस बोर्ड के कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों को शहरवासी हमेशा याद करेंगे

मा0 जनपद प्रभारी मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने पुण्यलोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर को श्रद्धासुमन किए अर्पित

अलीगढ़ रू प्रदेश के मा0 गन्ना विकास एवं चीनी मिलें और जनपद प्रभारी मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी जी द्वारा पुण्यश्लोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी स्मृति अभियान की श्रंखला में आयोजित जिला पंचायत सम्मेलन का लोकमाता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इससे पूर्व मा0 मंत्री जी ने मा0 विधायक छर्रा ठा0 रव. `न्द्रपाल सिंह, मा0 विधायक इगलास श्री राजकुमार सहयोगी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ लोकमाता के जीवन वृत्त को परिलक्षित करती चित्र प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन करने के उपरांत उसका अवलोकन भी कियामा0 मंत्री जी ने जिला पंचायत सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मुगलकाल से लेकर ब्रिटिशकाल और आजादी के बाद भी हिन्दू समाज को बांटने का कार्य किया गया महाराणा प्रताप, चौधरी चरण सिंह, परशुराम, बाबा साहेब, महर्षि बाल्मीकि, महारानी अहिल्याबाई को जातियों में बांट दिया जबकि इन महापुरूषों ने बिना किसी भेदभाव के सदैव समाज के हित में कार्य किया। मोदी–योगी के नेतृत्व में इन महान विभूतियों को सच्चा सम्मान देने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल के जिस स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण 3400 करोड़ से हुआ उससे कोरोना काल में मात्र एक वर्ष के दौरान ही 1300 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ और वृहद स्तर पर रोजगार सृजन हुआ। उन्हा. `ने बताया कि लोकमाता ने एक महिला होते हुए और उस काल की विषम परिस्थितियों के बावजूद न्याय, धर्म, शिक्षा, सुशासन, महिला सशक्तीकरण, सती प्रथा, पुनर्विवाह, महिला शिक्षा के क्षेत्र में जो कार्य किए हैं वह आज भी स्मरणीय और अनुकरणीय हैं। लोकमाता ने जहां एक बछड़े की मृत्यु होने पर अपने इकलौते पुत्र को मृत्यु दण्ड की सजा सुनाई वहीं अपने लगभग 30 वर्ष के शासनकाल में कर में कोई वृद्धि नहीं की। उन्होंने केदारनाथ, बद्रीनाथ, काशी विश्वानाथ, सोमनाथ से लेकर अयोध्या एवं वृंदावन में भी मुगलकाल में तोड़े गए लगभग 1200 मंदिरों का पुर्न. र्निमाण कराया। आज मोदी जी द्वारा लो. कमाता द्वारा किए गए कार्यों को आगे बढ़ाते हुए काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर, चारधाम यात्रा समेत सभी तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा महिला सशक्तीकरण के लिए संसद में 33 प्रतिशत भागेदारी, 03 पीएसी महिला बटालियन, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान, मिशन शक्ति के साथ ही प्रदेश में सामूहिक विवाह में 51 हजार से बढ़ाकर 01 लाख की गई है।मा0 विधायक इगलास श्री राजकुमार सहयोगी ने कहा कि मुहम्मद गजनवी और औरंगजेब के काल में देश में हजारों मंदिरों को तोड़ा गया लोकमाता अहिल्याबाई ने उस काल की विषम परिस्थितियों में जब संसाधनों का अभाव था दुर्गम क्षेत्र केदारनाथ व बद्रीनाथ के मंदिर का पुर्ननिर्माण कराया। लोकमाता द्वारा महिला सशक्तीकरण के कार्यों से प्रेरणा लेकर ही स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी एवं 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं को पंचायत से लेकर संसद तक मजबूत बनाने का कार्य किया जा रहा है।मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की दूरगामी सोच का ही परिणाम है के देशभर में 31 मई को आने वाले लोकमाता अहिल्याबाई के 300 वें जन्मदिवस के अवसर पर 18 से 31 मई तक त्रिशताब्दी समारोह आयोजित किए जा रहे हैं उन्होंने बताया कि सनातन काल से अब तक केवल धर्मराज युधिष्ठर, राजा नल एवं महारानी अहिल्याबाई को पुण्यश्लोक की उपाधि दी गई है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार केवल 08 वर्ष की आयु में उनका विवाह हुआ, फिर पति, पुत्र और ससुर की मृत्यु होने पर विपरीत परिस्थतियों में उन्होंने सत्ता की बागडोर संभाली और समाजसेवा के नए कीर्तिमान स्थापित किए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिला शक्ति से आव्हान किया कि वह भी महारानी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने को सशक्त बनाएं।मा0 जिलाध्यक्ष श्री कृष्णपाल सिंह ने मा0 अतिथियों का आगमन एवं कार्यक्रम संयोजक जिला पंचायत को सफल कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विस्मृत कर दी गई लोकमाता के बारे में आमजनमानस को उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने विषम परिस्थितियों के बा. वजूद 12 ज्योर्तिलिंग एवं चार धामों का जीर्णोद्धार कराया मोदी जी द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए ही ऑपरेशन सिंदूर की बागडोर दो महिलाओं को सौंपी गई।इस अवसर पर मा0 पूर्व विधायक सिकन्दराराऊ श्री सुरेश प्रताप गॉधी, बृज प्रांत उपाध्यक्ष ठा0 श्यौराज सिंह, मा0 ब्लॉक प्रमुख अकरबाद ठा0 राहुल सिंह, ब्लॉक प्रमख धनीपुर पूजा दिवाकर, ब्लॉक प्रमुख अतरौली साहब सिंह, ब्लॉक प्रमुख जवां ठा0 हरेन्द्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख चण्डौस रेशमपाल, जिला महामंत्री श्री अनेक पाल सिंह, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा श्री धर्मवीर सिंह लोधी, कार्यक्रम संयोजक श्री भूपेश बघेल समेत, जिला पंचायत सदस्य डा0 रवेन्द्रपाल, कुलदीप कुमार, अशोक दिवाकर, महेश कुमार, मुक. `श यादव, रामू बघेल, डा0 पुष्पेन्द्र कुमार, क्षत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान अन्य मा0 जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष श्री गौरव शर्मा द्वारा किया गया।

तहसील अतरौली में मत्स्य पालन पट्टा आवंटन 11 जून को

अलीगढ़ (उप जिलाधिकारी अत. रौली मोहम्मद अमान ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सर्व साधारण को बताया है कि तहसील अतरौली के विभिन्न ग्रामों के 74 तालाबों को मत्स्य पालन के लिए आगामी 10 वर्षों के लिये पट्टा शिविर का आयोजन 11 जून 2025 एवं लक्ष्य पूर्ति तक प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को प्रातः 11 बजे से तहसील सभा कक्ष में तहसीलदार अतरौली की अध्यक्षता में किया जाएगा। उन्हा. `ने बताया कि पट्टा आवंटन 2500 5000 रूपये प्रति हेक्टेयर की दर से किया जाएगा एवं 2 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल के तालाबध्पोखर पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समितियों को 10 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर की दर से आवंटित किये जाएंगे।उन्होंने बताया तहसील अत. रौली के ग्राम लोहगढ़, खुलावली (हबीबपुर), दादों, भवीगढ़, सलारपुर, पैडारा, मौहम्मदपुर बढ़ैरा, बैमवीरपुर, मनैना उम्मेदपुर, हसनपुर, खानपुर खिटौली, छौगवां, सिरसा, तरैंची, सिंहपुर हिम्मतपुर, चन्दौआ गोवर्धनपुर, बीसनपुर वाहनपुर, लहास्की, अभय बहलोलपुर, नाह, बजीतपुर, समैना ततारपुर, दरी अलावलपुर, जामुना, शाहजहांबाद, हरदोई, नगला निजाम, नौगवां, का. सिमपुर खुशीपुर, भमोरी बुजुर्ग, रहमा. पुर, रजातऊ सेऊपुर, नरूपुरा कटका, राजमऊ, बिजौली, मदापुर, पिपलोई, ऊतरा, आलमपुर रानी, रहमापुर, भमसोई हुसैनपुर, सिंधौली खुर्द, मौहकमपुर दादों, हुसैनपुर शहजादपुर, औधाखेड़ा, भमोरी खुर्द, शाहपुर कोटरा, निसारपुर, पालीमुक. ीमपुर, दत्ताचोली, अटा, हारूनपुर, गा. जीपुर एवं किरतौली के तालाबों को मत्स्य पालन के लिए आवंटित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक पात्र व्यक्ति खसरा, खतौनी, जाति एवं आय प्रमाण पत्र के साथ 11 जून को आयोजित होने वाले शिविर के साथ ही लक्ष्य आपूर्ति तक प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक तहसील अतरौली सभाकक्ष में अपना आवेदन कर सकते हैं। अपरान्ह 02 बजे के बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सउदी में दिखा चांद कंफर्म हुई ईद उल–अजहा की तारीख, जानें भारत में कब है बकरीद

इस्लाम में ईद की तरह ही ईद उल–अजहा का पर्व भी बेहद पवित्र माना जाता है. इसे ईद–उल–जुहा, बकरीद या कुर्बानी जैसे नामों से भी जाना है. बकरीद दुनियाभर के मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक जुल–हिज्जा या धुल–हिज्जा की 10 तारीख को मनाया जाता है.सऊदी में नजर आया जुल–हिज्जा का चांद इस्लाम धर्म के लगभग सभी त्योहार चंद्रमा पर आधारित होते हैं और चांद नजर आने के बाद ही तारीख कंफर्म होती है. इसी तरह बकरीद की तारीख को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई थी. लेकिन बीते दिन मंगलवार 27 मई 2025 को सऊदी अरब में महरिब के बाद चांद देखा गया. इसी के साथ जुल–हिज्जा (इस्लामिक कैलेंडर का 12वां महीना) की भी शुरुआत हो गई. बता दें कि इस्लाम में जुल–हिज्जा को रमजान के बाद दूसरा खास और पवित्र महीना माना जाता है. क्योंकि इस महीने कई इस्लामिक व धार्मिक गतिविधियां होती हैं, जैसे–मक्का में हज की शुरुआत, अफरा का दिन और ईद उल–अजहा का पर्व. सऊदी अरब में जुल–हिज्जा का चांद नजर आने के बाद ईद उल–अजहा की तारीख का भी ऐलान कर दिया गया है. वहां 6 जून को यह पर्व मनाया जाएगा. इसकी आधिकारिक जानकारी सऊदी के सुप्रीम कोर्ट ने 'र' पर दी है. आइये जानते हैं भारत में कब मनाया जाएगा ईद उल–अजहा का पर्व.भारत में 7 जून को बकरीद सऊदी अरब में तो बकरीद की तारीख तय हो गई है और आधिकारिक रूप से इसका ऐलान भी कर दिया गया है. लेकिन भारत में बकरीद कब होगी, आइए जानते हैं. दरअसल भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में आज 28 मई को चांद देखा जाएगा. अगर आज चांद का दीदार हो जाता है तो धुल–हिज्जा की शुरुआत 29 मई से होगी और इसके 10वें दिन ईद–उल–अजहा का पर्व मनाया जाएगा. ऐसे में भारत में शनिवार 7 जून 2025 को बकरीद मनाई जाएगी.

निर्जला एकादशी पर कर सकते हैं ये 5 शुभ काम, मां लक्ष्मी घर में करती हैं वास

निर्जला एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में धार्मिक महत्व रखता है क्योंकि ये जल से जुड़ा त्योहार है. शनिर्जलाश का अर्थ है शबिना जल केश, अर्थात इस व्रत में भक्त न तो भोजन करते हैं और न ही पानी ग्रहण करते हैं. मानव जीवन में जल का विशेष महत्व है, हमारा शरीर भी पंचतत्व से मिलकर बना है जिसमें जल की अहम भूमिका है.यही वजह है कि इस खास एकादशी पर जो बिना जल का व्रत कर, दान पुण्य करता है और विधि विधान से विष्णु जी का पूजन करता है उसके सारे पाप धुल जाते हैं और जीवन में अनेकों सुखों की प्राप्ति होती है. निर्जला एकादशी बेहद पावन दिन है, ऐसे में इस दिन कुछ खास कार्य जरुर करें, इससे अनंत काल तक शुभ फल मिलते हैं.निर्जला एकादशी 2025 कब ?निर्जला एकादशी इस साल 6 जून 2025 को है. ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 6 जून 2025 को सुबह 2.15 मिनट पर शुरू होगी और 7 जून 2025 को सुबह 4.47 मिनट पर इसका समापन होगा.पूजा मुहूर्त – सुबह 5.23 – सुबह 10.36व्रत पारण समय – दोपहर 1.44 – शाम 4.31 (7 जून 2025 निर्जला एकादशी पर जरुर करें ये 5 कामजल से भरा मटका – शास्त्रों के अनुसार ज्येष्ठ माह की गर्मी में निर्जला एकादशी पर जो व्यक्ति जल से भरा मटका जरुरतमंद या ब्राह्मण को दान करता है उसे रोग, पितृ और चंद्र दोष दूर होते हैं. क्योंकि चंद्रमा जल का प्रतीक है और एकादशी का दिन पितरों को संतुष्टी पहुंचाता है. आर्थिर रूप से संकट खत्म होते हैं.मंदिर में लगाएं ये पौधा – इस दिन मंदिर के प्रांगण या किसी खाली स्थान पर पीपल वृक्ष लगाने से राहु–केतु का अशुभ प्रभाव भी कम होता है. कहा जाता है कि पीपल में पितरों का भी वास होता हैघर लाएं ये यंत्र – वेदों के अनुसार श्रीयंत्र में 33 कोटि देवी–देवताओं का वास होता है. मान्यता है कि एकादशी या शुक्रवार के दिन घर में श्रीयंत्र की स्थापना करने और विधिवत श्रीयंत्र की पूजा,उपासना से प्राणी को सभी सुख प्राप्त होते हैं,धन की घर में कमी नहीं रहती. मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं. बृहस्पति को मजबूत करने – इस दिन पीले और सफेद रंग के नए वस्त्र खरीदना भी शुभ माना जाता है. साथ ही, धार्मिक चीजें जैसे भगवद गीता, रामायण, विष्णु सहस्रनाम जैसी किताबें भी इस दिन खरीदना शुभ माना जाता है. तुलसी या रुद्राक्ष की माला, भगवान विष्णु का शंख और पीतल या तांबे का कलश भी खरीदना चाहिए. इससे लक्ष्मी की प्राप्ति होती है. घर में बरकत आती है. वास्तु दोष दूर – इसके लिए पानी में गुलाब, मोगरा जैसे सुंगधित फूलों की पंखुड़ियां डालें और इस जल से भगवान का अभिषेक करें. इसके लिए पानी में गुलाब, मोगरा जैसे सुंगधित फूलों की पंखुड़ियां डालें और इस जल से भगवान का अभिषेक करें.

कौन होते हैं कुलदेवी–देवता ? इनकी पूजा न करने पर परिवार को भुगतने पड़ते हैं ये परिणाम

भारत में समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते है. इसके अलावा पितृदेव भी होते हैं. जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है.इसके अलावा एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं. जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं.भारत में हिन्दू पारिवारिक आराध्य व्यवस्था में कुलदेवता ६ कुलदेवी का स्थान सदैव से रहा है. प्रत्येक हिन्दू परिवार किसी न किसी ऋषि के वंशज हैं. जिनसे उनके गोत्र का पता चलता है, बाद में कर्मानुसार इनका विभाजन वर्णों में हो गया.हर जाति और समाज के कुलदेवी–देवताविभिन्न कर्म करने के लिए, जो बाद में उनकी विशिष्टता बन गया और जाति कहा जाने लगा. हर जाति वर्ग, किसी न किसी ऋषि की संतान है और उन मूल ऋषि से उत्पन्न संतान के लिए वे ऋषि या ऋषि पत्नी कुलदेव ६ कुलदेवी के रूप में पूज्य भी हैं. जीवन में कुलदेवता का स्थान सर्वश्रेष्ठ है. आर्थिक सुबत्ता, कौटुंबिक सौख्य और शांती तथा आरोग्य के विषय में कुलदेवी की कृपा का निकटतम संबंध पाया गया है.पूर्व के हमारे कुलों अर्थात पूर्वजों के खानदान के वरिष्ठों ने अपने लिए उपयुक्त कुल देवता अथवा कुलदेवी का चुनाव कर उन्हें पूजित करना शुरू किया था, ताकि एक आध्यात्मिक और पारलौकिक शक्ति कुलों की रक्षा करती रहे जिससे उनकी नकारात्मक शक्तियों – ऊर्जाओं और वायव्य बाधाओं से रक्षा होती रहे तथा वे निर्विघ्न अपने कर्म पथ पर अग्रसर रह उन्नति करते रहें.कौन होते हैं कुल देवी या देवता ?कुलदेवी – देवता दरअसल कुल या वंश की रक्षक देवी देवता होते है. ये घर परिवार या वंश परम्परा की प्रथम पूज्य तथा मूल अधिकारी देव होते है. सर्वाधिक आत्मीयता के अधिकारी इन देवो की स्थिति घर के बुजुर्ग सदस्यों जैसी महत्वपूर्ण होती है. अतरू इनकी उपासना या महत्त्व दिए बगैर सारी पूजा एवं अन्य कार्य व्यर्थ हो सकते है. इनका प्रभाव इतना महत्वपूर्ण होता है की यदि ये रुष्ट हो जाए तो अन्य कोई देवी देवता दुष्प्रभाव या हानि कम नही कर सकता या रोक नही लगा सकता.उदाहरण – इसे यूं समझे दृ यदि घर का मुखिया पिताजी – माताजी आपसे नाराज हो तो पड़ोस के या बाहर का कोई भी आपके भले के लिये, आपके घर में प्रवेश नही कर सकता क्योकि वे "बाहरी" होते है. खासकर सांसारिक लोगो को कुलदेवी देवता की उपासना इष्ट देवी देवता की तरह रोजाना करना ही चाहिये.ऐसे अनेक परिवार देखने मे आते है जिन्हें अपने कुल देवी देवता के बारे में कुछ भी नही मालूम नही होता है. किन्तु कुलदेवी – देवता को भुला देने मात्र से वे हट नही जाते, वे अभी भी वही रहेंगे. कैसे पता करें अपने कुलदेवी–देवता के बारे मेंयदि मालूम न हो तो अपने परिवार या गोत्र के बुजुर्गो से कुलदेवता – देवी के बारे में जानकारी लेवें, यह जानने की कोशिश करे की झडूला – मुण्डन संस्कार आपके गोत्र परम्परानुसार कहा होता है, या "जात" कहा दी जाती है, या विवाह के बाद एक अंतिम फेरा (५,६,७ वां) कहा होता है. हर गोत्र – धर्म के अनुसार भिन्नता होती है. सामान्यतरू ये कर्म कुलदेवी ६ कुलदेवता के सामने होते है और यही इनकी पहचान है.समय क्रम में परिवारों के एक दुसरे स्थानों पर स्थानांतरित होने, धर्म परिवर्तन करने, आक्रान्ताओं के भय से विस्थापित होने, जानकार व्यक्ति के असमय मृत होने, संस्कारों के क्षय होने, विजातीयता पनपने, इनके पीछे के कारण को न समझ पाने आदि के कारण बहुत से परिवार अपने कुल देवता ६ देवी को भूल गए अथवा उन्हें मालूम ही नहीं रहा की उनके कुल देवता ६ देवी कौन हैं या किस प्रकार उनकी पूजा की जाती है.इनमें पीढ़ियों से शहरों में रहने वाले परिवार अधिक हैं, कुछ स्वयंभू आधुनिक मानने वाले और हर बात में वैज्ञानिकता खोजने वालों ने भी अपने ज्ञान के गर्व में अथवा अपनी वर्त्तमान अच्छी स्थिति के गर्व में इन्हें छोड़ दिया या इन पर ध्यान नहीं दिया.कुलदेवी–देवता की पूजा न करें पर क्या होता है ?कुल देवता ६ देवी की पूजा छोड़ने के बाद कुछ वर्षों तक तो कोई खास अंतर नहीं समझ में आता, किन्तु उसके बाद जब सुरक्षा चक्र हटता है तो परिवार में दुर्घटनाओं, नकारात्मक ऊर्जा, वायव्य बाधाओं का बेरोक – टोक प्रवेश शुरू हो जाता है. उन्नति रुकने लगती है, पीढ़िया अपेक्षित उन्नति नहीं कर पाती, संस्कारों का क्षय, नैतिक पतन, कलह, उपद्रव, अशांति शुरू हो जाती हैं.व्यक्ति कारण खोजने का प्रयास करता है, कारण जल्दी नहीं पता चलता क्योंकि व्यक्ति की ग्रह स्थितियों से इनका बहुत मतलब नहीं होता है.अतः ज्योतिष आदि से इन्हें पकड़ना मुश्किल होता है, भाग्य कुछ कहता है और व्यक्ति के साथ कुछ और घटता है.कैसे करते हैं कुलदेवता–देवी परिवार की रक्षा ?कुल देवता या देवी हमारे वह सुरक्षा आवरण हैं जो किसी भी बाहरी बाधा, नकारात्मक ऊर्जा के परिवार मंर अथवा व्यक्ति पर प्रवेश से पहले सर्वप्रथम उससे संघर्ष करते हैं और उसे रोकते हैं, यह पारिवारिक संस्कारों और नैतिक आचरण के प्रति भी समय समय पर सचेत करते रहते हैं, यही किसी भी ईष्ट को दी जाने वाली पूजा को इष्ट तक पहुचाते हैं, यदि इन्हें पूजा नहीं मिल रही होती है तो यह नाराज भी हो सकते हैं और निर्लिप्त भी हो सकते हैं.ऐसे में आप किसी भी इष्ट की आराधना करे वह उस इष्ट तक नहीं पहुँचता, क्योकि सेतु कार्य करना बंद कर देता है, बाहरी बाधाये, अभिचार आदि, नकारात्मक ऊर्जा बिना बाधा व्यक्ति तक पहुचने लगती है, कभी कभी व्यक्ति या परिवारों द्वारा दी जा रही इष्ट की पूजा कोई अन्य बाहरी वायव्य शक्ति लेने लगती है, अर्थात पूजा न इष्ट तक जाती है न उसका लाभ मिलता है।ऐसा कुलदेवता की निर्लिप्तता अथवा उनके कम शशक्त होने से होता है। कुलदेव परम्परा भी लुप्तप्राय हो गयी है, जिन घरो में प्रायरू कलह रहती है, वंशावली आगे नही बढ रही है, निर्वंशी हो रहे हों, आर्थिक उन्नति नही हो रही है, विकृत संताने हो रही हो अथवा अकाल मौते हो रही हो, उन परिवारों में विशेष ध्यान देना चाहिए.कब–कब होती है इनकी पूजा ?कुलदेवता या देवी सम्बंधित व्यक्ति के पारिवारिक संस्कारों के प्रति संवेदनशील होते हैं और पूजा पद्धति, उलटफेर, विधर्मीय क्रियाओं अथवा पूजाओं से रुष्ट हो सकते हैं, सामान्यतया इनकी पूजा वर्ष में एक बार अथवा दो बार निश्चित समय पर होती है, यह परिवार के अनुसार भिन्न समय होता है और भिन्न विशिष्ट पद्धति होती है, शादी – विवाह, संतानोत्पत्ति आदि होने पर इन्हें विशिष्ट पूजाएँ भी दी जाती हैं.यदि यह सब बंद हो जाए तो या तो यह नाराज होते हैं या कोई मतलब न रख मूकदर्शक हो जाते हैं और परिवार बिना किसी सुरक्षा आवरण के पारलौकिक शक्तियों के लिए खुल जाता है, परिवार में विभिन्न तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं, अतः प्रत्येक व्यक्ति और परिवार को अपने कुल देवता या देवी को जानना चाहिए तथा यथायोग्य उन्हें पूजा प्रदान करनी चाहिए, जिससे परिवार की सुरक्षा – उन्नति होती रहे.अक्सर कुलदेवी, देवता और इष्ट देवी देवता एक ही हो सकते है, इनकी उपासना भी सहज और तामझाम से परे होती है. जैसे नियमित दीप व् अगरबत्ती जलाकर देवो का नाम पुकारना या याद करना, विशिष्ट दिनों में विशेष पूजा करना.घर में कोई पकवान आदि बनाए तो पहले उन्हें अर्पित करना फिर घर के लोग खाए.हर मांगलिक कार्य या शुभ कार्य में उन्हें निमन्त्रण देना या आज्ञा मांगकर कार्य करना आदि.इस कुल परम्परा की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की यदि आपने अपना धर्म बदल लिया हो या इष्ट बदल लिया हो तब भी कुलदेवी देवता नही बदलेंगे, क्योंकि इनका सम्बन्ध आपके वंश परिवार से है.क्या धर्म बदलने पर कुलदेवी–देवता का त्याग करना चाहिए ?किन्तु धर्म या पंथ बदलने के साथ साथ यदि कुलदेवी – देवता का भी त्याग कर दिया तो जीवन में अनेक कष्टों का सामना करना पद सकता है जैसे धन नाश, दरिद्रता, बीमारिया, दुर्घटना, गृह कलह, अकाल मौते आदि. वही इन उपास्य देवो की वजह से दुर्घटना बीमारी आदि से सुरक्षा होते हुवे भी देखा गया है.ऐसे अनेक परिवार भी मैंने देखा है जिन्हें अपने कुल देवी देवता के बारे में कुछ भी नही मालूम. एक और बात ध्यान देने योग्य है – किसी महिला का विवाह होने के बाद ससुराल की कुलदेवी ६ देवता ही उसके उपास्य हो जायेंगे न की मायके के. इसी प्रकार कोई बालक किसी अन्य परिवार में गोद में चला जाए तो गोद गये परिवार के कुल देव उपास्य होंगे.कुलदेवी ६ कुलदेवता के पूजन की विधि रू–जब भी आप घर में कुलदेवी की पूजा करे तो सबसे जरूरी चीज होती है पूजा की सामग्री. पूजा की सामग्री इस प्रकार ही होना चाहिये – 4 पानी वाले नारियल, लाल वस्त्र, 10 सुपारिया, 8 या 16 श्रंगार कि वस्तुये, पान के 10 पत्ते, घी का दीपक, कुंकुम, हल्दी, सिंदूर, मौली, पांच प्रकार की मिठाई, पूरी, हलवा, खीर, भिगोया चना, बताशा, कपूर, जनेऊ, पंचमेवा.ध्यान रखे जहा सिन्दूर वाला नारियल है वहां सिर्फ सिंदूर ही चढ़े बाकि हल्दी कुंकुम नहीं. जहाँ कुमकुम से रंग नारियल है वहां सिर्फ कुमकुम चढ़े सिन्दूर नहीं.बिना रंगे नारियल पर सिन्दूर न चढ़ाएं, हल्दी – रोली चढ़ा सकते हैं, यहाँ जनेऊ चढ़ाएं, जबकि अन्य जगह जनेऊ न चढ़ाए.पांच प्रकार की मिठाई ही इनके सामने अर्पित करें। साथ ही घर में बनी पूरी – हलवा – खीर इन्हें अर्पित करें.ध्यान रहे की साधना समाप्ति के बाद प्रसाद घर में ही वितरित करें, बाहरी को न दें.इस पूजा में चाहें तो दुर्गा अथवा काली का मंत्र जप भी कर सकते हैं, किन्तु साथ में तब शिव मंत्र का जप भी अवश्य करें.सामान्यतय पारंपरिक रूप से कुलदेवता ६ कुलदेवी की पूजा में घर की कुँवारी कन्याओं को शामिल नहीं किया जाता इसलिए उन्हें इससे अलग ही रखना चाहिये.विशेष दिन और त्यौहार पर शुद्ध लाल कपड़े के आसान पर कुलदेवी ६ कुलदेवता का चित्र स्थापित करके घी या तेल का दीपक लगाकर गूगल की धुप देकर घी या तेल से हवन करकर चूरमा बाटी का भोग लगाना चाहिए, अगरबत्ती, नारियल, सतबनी मिठाई, मखाने दाने, इत्र, हर–फूल आदि श्रद्धानुसार.नवरात्री में पूजा अठवाई के साथ परम्परानुसार करनी चाहिए.पितृ देवता के पूजन की विधि रू–शुद्ध सफेद कपड़े के आसान पर पितृ देवता का चित्र स्थापित करके, घी का दीपक लगाकर गूगल धुप देकर, घी से हवन करकर चावल की सेनक या चावल की खीर – पूड़ी का भोग लगाना चाहिए. अगरबत्ती , नारियल, सतबनी मिठाई, मखाने दाने, इत्र, हर – फूल आदि श्रद्धानुसार.चावल की सेनक रू चावल को उबाल पका लेवे फिर उसमे घी और शक्कर मिला ले.अठवाई रू दो पूड़ी के साथ एक मीठा पुआ और उस पर सूजी का हलवा, इस प्रकार दो जोड़े कुल मिलाकर ४ पूड़ी य २ मीठा पुआ और थोड़ा सूजी का हलवा.कुलदेवी ६ कुलदेवता की पूजा न करने का परिणामइनकी पूजा आदिकाल से चलती आ रही है, इनके आशिर्वाद के बिना कोई भी शुभ कार्य नहीं होता है. यही वो देव या देवी है जो कुल की रक्षा के लिए हमेशा सुरक्षा घेरा बनाये रखती है.आपकी पूजा पाठ, व्रत कथा जो भी आप धार्मिक कार्य करते है उनको वो आपके इष्ट तक पहुँचाते है. इनकी कृपा से ही कुल वंश की प्रगति होती है लेकिन आज के आधुनिक युग में लोगो को ये ही नहीं पता की हमारे कुलदेव या देवी कौन है. जिसका परिणाम हम आज भुगत रहे हैं.आज हमें यह पता ही नहीं चल रहा की हम सब पर इतनी मुसीबते आ क्यों रहे है ?

क्यों टेढ़े हैं बांके बिहारी? पुजारी ने बताया रहस्य, जानकर भक्त हो जाएंगे दीवाने

मथुरारू वृंदावन, मथुरा की पावन धरती पर भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बाल लीलाओं से हर जीव को मोहित कर दिया. यहां के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर की एक अनोखी बात है, जो भक्तों को हमेशा आकर्षित करती है. वो है ठाकुर जी की त्रिभंगी मुद्रा. बांके बिहारी यानी तीन जगह से टेढ़े ठाकुर जी की यह विशेष मुद्रा खुद में एक गहरा रहस्य समेटे हुए है.क्या है त्रिभंगी का रहस्य?बांके बिहारी मंदिर के सेवायत पुजारी श्रीनाथ गोस्वामी बताते हैं कि बांके बिहारी जी की मूर्ति कमर, पैर और गर्दन से टेढ़ी है. इस मुद्रा को त्रिभंगी कहा जाता है. 'त्रि' यानी तीन और 'भंग' यानी मोड़. इसका मतलब है– एक ऐसी मुद्रा, जिसमें शरीर के तीन हिस्से अलग–अलग दिशाओं में मुड़े होते हैं. यही कारण है कि उन्हें "त्रिभंगी लाल" कहा जाता है."टेढ़े टिपारे कटारे किरीट की३ "श्रीनाथ गोस्वामी भावविभोर होकर भजन की ये पंक्तियाँ गाते हैं– "टेढ़े टिपारे कटारे किरीट की, मांग की पाग की धारी की जै जै, कुण्डल जाँय कपोलन पै, मुसक्यान हू धीर प्रहारी की जै जै." यह भजन स्वयं इस बात को दर्शाता है कि श्रीकृष्ण की छवि किसी सीधे नियम में नहीं बंधती. वे तो भाव और रास के देवता हैं, जिनकी हर अदा में कुछ अलौकिकता है. भगवान राम से चार गुण ज्यादा!पुजारी श्रीनाथ कहते हैं, "भगवान राम 12 कलाओं में निपुण थे, वहीं भगवान श्रीकृष्ण 16 कलाओं के स्वामी हैं. उनका आकर्षण इतना अधिक है कि केवल एक बार उनका दर्शन कर लेने से भक्त उनका हो जाता है."वो मुस्कुराते हुए कहते हैं, "कहा गया है कि वह चोर है, लवार है, चटोकरा है३ लेकिन वही हमारे इष्टदेव हैं. ये उनका प्रेममय रूप है."भक्त भी हो जाते हैं दीवानेश्रीनाथ गोस्वामी ने बताया कि सिर्फ देश से ही नहीं, विदेशों से भी हजारों श्रद्धालु हर साल बांके बिहारी जी के दर्शन को आते हैं. यहां पर कई विदेशी आकर बस ही जाते हैं. उनका कहना है कि बांके बिहारी की कृपा ऐसी है कि जिसने एक बार सच्चे मन से दर्शन कर लिया, वह उनके प्रेमजाल में बंध जाता है.क्या है "बांके" और "बिहारी" नाम का अर्थ?"बांके" शब्द का अर्थ है टेढ़े या झुके हुए, और "बिहारी" मतलब है जो आनंद में विचरण करे. त्रिभंगी मुद्रा इसी बात का प्रतीक है कि भगवान श्रीकृष्ण हर रूप में प्रेम और आनंद से भरपूर हैं. यह न केवल एक मुद्रा है, बल्कि एक दर्शन है.भक्तों के मन को मोहने वाला स्वरूप थाकुर जी का ऐसा अलौकिक तेज है कि एक बार जो भक्त उनकी मूर्ति को देख ले, उसका मन वहीं अटक जाता है. यही कारण है कि दर्शन की अवधि सीमित रखी जाती है, ताकि कोई भक्त उनकी छवि को देर तक न देख सके. कहा जाता है कि ज्यादा देर तक उनके रूप को देख पाना भी कठिन है.

गुरुवार के ये उपाय आपको बना देंगे मालामाल, बस कर लीजिए ये 7 काम, दिखेगा जीवन में असर

भारतीय संस्कृति में सप्ताह के हर दिन का एक विशेष महत्व होता है, और गुरुवार का दिन खासतौर पर बृहस्पति देव और भगवान विष्णु को समर्पित होता है. इसे गुरुवार या बृहस्पतिवार भी कहा जाता है. यह दिन धन, ज्ञान, भाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है. शास्त्रों और ज्योतिष के अनुसार यदि गुरुवार के कुछ विशेष उपाय श्रद्धा और विश्वास के साथ किए जाएं, तो व्यक्ति के जीवन में खुशहाली, आर्थिक उन्नति और सौभाग्य का आगमन होता है.यहां हम आपको कुछ ऐसे सरल और प्रभावशाली गुरुवार के उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप जीवन में सुख, शांति और धन की प्राप्ति कर सकते हैं.1. पीले वस्त्र पहनें और पीली चीजों का दान करेंगुरुवार का रंग पीला होता है, जो गुरु बृहस्पति का प्रतीक है. इस दिन पीले वस्त्र पहनना और पीली वस्तुओं जैसे चने की दाल, हल्दी, पीले फल आदि का दान करना शुभ माना जाता है. यह धन के मार्ग खोलता है और बृहस्पति देव की कृपा प्राप्त होती है. 2. बृहस्पति देव का व्रत रखें गुरुवार को व्रत रखना अत्यंत फलदायी माना गया है. इस दिन व्रत करने वाले को नमक नहीं खाना चाहिए और सिर्फ पीले भोजन जैसे खिचड़ी, केले आदि का सेवन ही करना चाहिए. व्रत के साथ भगवान विष्णु और बृहस्पति देव की पूजा करें और व्रत कथा का पाठ करें.3. पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाएं गुरुवार की शाम को पीपल के पेड़ के नीचे घी का दीपक जलाकर भगवान विष्णु का ध्यान करें. इससे आपके घर में सुख–समृद्धि बनी रहती है और दुर्भाग्य दूर होता है.4. गुरु मंत्र का जप करें " बृं बृहस्पतये नमः" इस मंत्र का 108 बार जाप करने से गुरु ग्रह की स्थिति मजबूत होती है. यदि कुंडली में गुरु ग्रह अशुभ हो, तो यह उपाय बहुत लाभकारी होता है और आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलता है.5. गुरुजन और ब्राह्मणों का सम्मान करें गुरुवार को गुरु, आचार्य, ब्राह्मणों या शिक्षकों का सम्मान करना और उन्हें दान देना आपके भाग्य को प्रबल बनाता है. यदि किसी योग्य ब्राह्मण को भोजन कराएं या दक्षिणा दें, तो बृहस्पति देव की विशेष कृपा प्राप्त होती है.6. केले के पेड़ की पूजा करेंइस दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए केले के पेड़ की पूजा करना अति शुभ माना गया है. जल चढ़ाएं, हल्दी का तिलक करें और पीले फूल अर्पित करें. साथ ही "नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जाप करें. 7. बाहर जानें पर रखें पीला रूमाल या हल्दी की गांठगुरुवार को अपने पर्स या तिजोरी में हल्दी की दो गांठ या पीला रूमाल रखें. यह उपाय लक्ष्मीजी को आकर्षित करता है और धन वृद्धि में सहायक होता है.गुरुवार के दिन किए गए ये छोटे–छोटे उपाय आपके जीवन की दिशा बदल सकते हैं. जहां एक ओर यह उपाय आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं, वहीं दूसरी ओर यह आपके जीवन में आर्थिक समृद्धि और सौभाग्य का द्वार खोलते हैं. नियमित रूप से इन उपायों को अपनाकर आप भी मालामाल बन सकते हैं और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देख सकते हैं. तो जरूर करें ये उपाय, और देखिए अपने जीवन में बदलाव.

रम्भा तीज व्रत कल, पापों और रोगों से छुटकारा पाने के लिए करें यह उपवास, जानें पूजा विधि-कथा

सनातन धर्म में पावन–पवित्र ज्येष्ठ महीने को धार्मिक आधार पर काफी महत्वपूर्ण माना जाता है. इस पूरे महीने दान–पुण्य व व्रतों का भी विशेष महत्व है. इसी महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रंभा तीज व्रत भी रखा जाएगा. भविष्यपुराण के अनुसार पार्वती के आग्रह पर जन कल्याण के लिए भगवान शंकर ने इस व्रत का विधान बताया था. इसलिए इस दिन विवाहित स्त्रियों को व्रत और शिव–पार्वती की पूजा करनी चाहिए. वर्षभर की तृतीया तिथि पर किया जाने वाला यह व्रत सभी पापों व रोगों का नाश कर सुख व सौभाग्य बढ़ाता है. मान्यता यह भी है कि, इस दिन अप्सरा के विभिन्न नामों की पूजा और कुछ उपाय करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है. अब सवाल है कि आखिर रम्भा तीज व्रत कब है? कैसे रखें रम्भा तृतीया व्रत? रम्भा तीज व्रत के उपाय क्या हैं? इस बारे में बता रहे हैं उन्नाव के ज्योतिषाचार्य ऋषिकांत मिश्र शास्त्री– ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, इस दिन विवाहित स्त्रियों को 16 शृंगार करके व्रत का संकल्प करना चाहिए और शिव और पार्वती की पूजा करनी चाहिए. दरअसल, यह व्रत भी मुख्य रूप से पति की लंबी आयु सुख–समृद्धि के लिए रखा जाता है. इससे वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहती है. साथ ही कुंआरी लड़कियां अच्छे वर के लिए भी यह व्रत करती हैं.भविष्यपुराण के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को इस व्रत के बारे में बताया है. उनके अनुसार, श्रद्धालु स्त्री को ज्येष्ठ की शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि को सुबह उठकर भक्ति पूर्वक उपवास का नियम ग्रहण करना चाहिए. साथ ही, देवी से प्रार्थना करें कि, 'हे देवी! मैं पूरे एक वर्ष तक रम्भा तृतीया व्रत का आचरण कर दूसरे दिन पारणा करूंगी. आप कृपा करें.' इस प्रकार स्त्री या पुरुष व्रत का संकल्प कर स्नान करें. इसके बाद देवी पार्वती का पूजन कर रात में कुशोदक का सेवन करें. दूसरे दिन शिवभक्त ब्राह्मणों को भोजन करवा दक्षिणा में सुवर्ण व नमक प्रदान करें. गौरीश्वर भगवान शिव को भी भोग लगाएं.